

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा-442001, महाराष्ट्र
द्वारा

उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी - सक्षम अधिगम

विषय पर आयोजित

एक सप्ताह का राष्ट्रीय ऑनलाइन

संकाय संवर्धन कार्यक्रम

23-28 अगस्त, 2021

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
की परियोजना
पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक
एवं शिक्षण मिशन
(PMMMNTT)
के तत्वावधान में

उच्च शिक्षा संस्थानों
के सभी विषयों के शिक्षकों के लिए
बहुआयामी अभिनव संकाय संवर्धन कार्यक्रम
इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में प्रतिभागिता का प्रमाण-पत्र
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम 2018/18.0.ix एवं
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-मानव संसाधन विकास केंद्र
(UGC - HRDC)
के दिशानिर्देश-2019 / 7.1.1.x के अनुसार
कैरियर प्रोन्नयन योजना (CAS)
के लिए मान्य होगा

अंतिम तिथि: 16/08/2021

पंजीकरण शुल्क: Rs. 500/-

Register Now

<https://forms.gle/nsTuMuVaP3cwYW4L7>



संपर्क: +91 7219187777, +91 9414838424, +91 9265032070

ई-मेल: soefdptel@gmail.com

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (म.गां.अं.हिं.वि.)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, नैक (NAAC) द्वारा 'ए' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय स्तर का केंद्रीय विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय वर्ष 1997 में संसद के एक अधिनियम द्वारा, शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से हिंदी को स्पष्ट रूप से समृद्ध, प्रचारित और प्रसारित करने तथा कक्षा-कक्ष की परिधि से आगे जाकर विभिन्न बौद्धिक पहलों के द्वारा दक्षिण एशियाई संस्कृति तक पहुंचने के एक प्रमुख साधन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के शासनादेश के साथ, स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद से ही मानविकी एवं सामाजिक-विज्ञान, स्त्री-अध्ययन, गांधी और शांति अध्ययन, प्रबंधन, विधि तथा विशेष रूप से अध्यापक शिक्षा जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों में शिक्षण और अनुसंधान करने के लिए अपने आयामों का विस्तार किया है।

शिक्षा विद्यापीठ

म.गां.अं.हिं.वि.का शिक्षा विद्यापीठ शिक्षाविदों, अध्यापक-शिक्षकों, शोधकर्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का एक समृद्ध समुदाय है, जिसका उद्देश्य एवं वास्तविक प्रयास यह है कि समग्र रूप से शिक्षा के ज्ञानानुशासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जाए जिससे शिक्षा में उच्च स्तर के मानकों को बढ़ाया जा सके एवं भारत को एक ज्ञान महाशक्ति तथा 'विश्व-गुरु' बनाने की आकांक्षा साकार हो सके। यह विद्यापीठ विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से अध्यापक-शिक्षकों तथा विभिन्न स्तर के अन्य शिक्षकों एवं संकाय सदस्यों को अकादमिक एवं वृत्तिक विकास के अवसर प्रदान करता है तथा विद्यार्थियों को ज्ञान निर्माण के अवसर प्रदान करनेवाले सक्षम, समर्पित और प्रतिबद्ध शिक्षकों के रूप में विकसित करने हेतु सतत प्रयत्नशील रहता है। यह अध्यापक-शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों के साथ ही शिक्षा से संबंधित अन्य क्षेत्रों में शिक्षकों, अध्यापक-शिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों, शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न भूमिका में कार्यरत व्यक्तियों तथा शोधकर्ताओं के लिए अभिनव पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियाँ एवं उत्कृष्ट अध्ययन सामग्री विकसित करने के लिए आगे कार्य कर रहा है। यह विद्यापीठ अपने अत्याधुनिक शैक्षिक सुविधाओं एवं उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के साथ भावी शिक्षकों और अध्यापक-शिक्षकों को 21वीं सदी में सफल होने के लिए आवश्यक नए युग के ज्ञान, कौशल, दक्षताओं तथा दृष्टिकोण विकसित करने हेतु एक ठोस आधार प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। वर्तमान में शिक्षा विद्यापीठ में बी.एड., एम.एड., एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) और पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र) जैसे पाठ्यक्रम संचालित हैं। यह विद्यापीठ निकट भविष्य में कुछ नवोन्मेषी पाठ्यक्रमों के माध्यम से अध्यापक शिक्षा में नवाचार एवं प्रयोगशीलता लाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा है। म.गां.अं.हिं.वि. का शिक्षा विद्यापीठ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (PMMMNMST) के सबसे प्रमुख केंद्रों में से एक है तथा यह सार्थक रूप से सम्पूर्ण भारत में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अध्यापक शिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों एवं शिक्षा के अन्य हितधारकों के लिए ज्ञान के प्रसार एवं क्षमता संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।



पं. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षण मिशन



PMMMNMTT MHRD, भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर शुरू की गई एक केंद्रीय परियोजना है। प्रशिक्षण, पुनः प्रशिक्षण, प्रेरण, अभिविन्यास और पुनश्चर्या कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों और संकाय सदस्यों को सामान्य कौशल, शैक्षणिक कौशल, अनुशासन विशिष्ट सामग्री उन्नयन, आईसीटी तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रशिक्षण तथा अन्य उपयुक्त हस्तक्षेपों में सशक्त बनाना मिशन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम

एक सप्ताह का यह संकाय संवर्धन कार्यक्रम (FDP) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (PMMMNMTT) के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विद्यार्थियों के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम का परिवेश एवं अवसर निर्माण करने हेतु सक्षम बनाना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में परिचर्चा एवं अनुभव-परक क्रियाकलाप के द्वारा उपयुक्त अधिगम-अनुभूति तथा अंतर्दृष्टि विकसित करने का प्रयत्न किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के परिवेश की संकल्पना, निर्माण तथा प्रसार करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं में दक्षता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह प्रतिभागियों को अपने विषय में उन्नत शिक्षण कौशल और क्षमता विकसित करने के लिए दृढ़ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम से जुड़े उभरते मुद्दों एवं नूतन प्रवाहों के विषय में अद्यतन ज्ञान से भी अवगत कराएगा। इस कार्यक्रम द्वारा प्राप्त अधिगम-अनुभव प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा में ऑनलाइन तथा मिश्रित अधिगम वातावरण के निर्माण तथा निरंतरता की दिशा में अधिक उत्साहपूर्वक एवं कुशलतापूर्वक प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा तथा सहायता प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता का प्रमाणपत्र UGC विनियमन- 2018/18.0.ix तथा UGC-HRDC दिशानिर्देश-2019/7.1.1.x के अनुसार उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के वृत्तिक प्रोन्नयन (CAS) में उपयोगी होगा।

कार्यक्रम के उद्देश्य

इस कार्यक्रम से प्रतिभागी निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त कर सकेंगे-

1. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के मूल सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
2. डिजिटल शिक्षाशास्त्र को प्रयोग में ला सकेंगे।
3. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के लिए शैक्षिक उद्देश्यों के डिजिटल टेक्सोनोमी का उपयोग कर सकेंगे।
4. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के लिए सामग्री निर्माण, रूपांतरण एवं वितरण कर सकेंगे।
5. ऑनलाइन कक्षाओं में विद्यार्थी-केंद्रितता को बढ़ावा दे सकेंगे।
6. मिश्रित शिक्षा के लिए पाठ योजना विकसित कर सकेंगे।
7. मिश्रित ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए सामग्री निर्माण, विकास एवं वितरण कर सकेंगे।
8. MOOC डिजाइन के मूल सिद्धांत एवं इसकी अनिवार्यताओं को समझ सकेंगे।
9. विद्यार्थी-केंद्रित MOOCs की रचना एवं विकास कर सकेंगे।
10. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के लिए गेमिफिकेशन के मार्ग उपयोग में ला सकेंगे।
11. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम को बढ़ावा देने के लिए एक आदर्श बदलाव के रूप में पीयरिंगोंगी को समझ सकेंगे।
12. ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस का निर्माण एवं प्रयोग कर सकेंगे।
13. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम वातावरण में साइबर सुरक्षा उपायों को लागू कर सकेंगे।

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियाँ

इस संकाय विकास कार्यक्रम में सहभागी होने के पश्चात प्रतिभागी निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकेंगे-

1. अपनी प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम पाठ योजनाओं के लिए डिजिटल अधिगम उद्देश्य लिखेंगे।
2. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री का निर्माण, रूपांतरण एवं वितरण करेंगे।
3. विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से ऑनलाइन कक्षा का आयोजन करेंगे।
4. मिश्रित ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रचना करेंगे।
5. विद्यार्थी-केंद्रित MOOC की योजना बनाएंगे।
6. उन्नत सहकर्मी सहयोग के माध्यम से प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम को आयोजित करेंगे।
7. मिश्रित शिक्षा के लिए पाठ योजना विकसित करेंगे।
8. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में गेमिफिकेशन का आयोजन करेंगे।
9. ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस का निर्माण एवं प्रयोग करेंगे।
10. प्रौद्योगिकी-सक्षम अधिगम के लिए साइबर सुरक्षा उपायों को क्रियान्वित करेंगे।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

1. संपूर्ण व्यावहारिक अधिगम की अनुभूति
2. समकालिक और असमकालिक अधिगम अवसरों का मिश्रण
3. सुविधाजनक अधिगम के वातावरण की रचना, विकास एवं वितरण पर विशेष ध्यान
4. अतिरिक्त अधिगम संसाधनों का प्रावधान
5. संकाय संवर्धन कार्यक्रम प्रमाणपत्र प्रोन्नयन योजना (CAS) के लिए उपयोगी
6. कार्यक्रम के प्रतिभागियों के शोध लेखों का ISBN ई-बुक पुस्तक में प्रकाशन

सहभागिता के लिए पात्रता एवं पंजीकरण

- इस संकाय विकास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय/महाविद्यालय या अन्य उच्च शिक्षा संस्थान में कार्यरत किसी भी संकाय तथा किसी भी विषय के शिक्षक भाग ले सकते हैं।
- इस संकाय विकास कार्यक्रम में किसी भी विषय के शोधार्थी/ पोस्ट डॉक्टरेट शोधार्थी भाग ले सकते हैं।

पंजीकरण विवरण:

शिक्षक/शोधार्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क रु. 500/-

खाता विवरण: पंजीकरण शुल्क नीचे दिए खाते में जमा करें

'महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा'

खाता संख्या : 972110210000005

बैंक का नाम : बैंक ऑफ़ इंडिया

शाखा : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

IFSC : BKID0009721

भुगतान किसी भी ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता है।

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
माननीय कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

संरक्षक

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
प्रति कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

डॉ. चंद्रकांत रागीट
प्रति कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सह-संरक्षक

प्रो. मनोज कुमार
अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

कार्यक्रम निदेशक

प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर
अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

कार्यक्रम संयोजक

डॉ. संदीप पाटिल
सहायक प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा



कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. प्रमोद जोशी
सहायक प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सह-समन्वयक

डॉ. नरेन्द्र कुमार पाल
सहायक प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

तकनीकी समन्वयक

डॉ. गिरीश पाण्डेय
सहायक प्रोफेसर
प्रभारी-लीला, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

कार्यक्रम संचालन समिति

समस्त संकाय सदस्य
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

संपर्क:

डॉ. संदीप पाटिल
+91 7219187777

डॉ. प्रमोद जोशी
+91 9414838424

डॉ. नरेन्द्र कुमार पाल
+91 9265032070

Email: soefdptel@gmail.com



School of Education

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
Wardha, Maharashtra



(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

Gandhi Hills, Wardha-442001, Maharashtra

Organizes

One Week National Online

Faculty Development Programme
on

Technology-Enabled Learning
in Higher Education

23-28 August, 2021

Under the Aegis of
Ministry of Education,
Govt. of India

Pandit Madan Mohan Malaviya
National Mission on Teachers and
Teaching
(PMMMNTT)

A Multidisciplinary
Innovative FDP for Teachers
of all Disciplines in
Higher Education Institutions

Certificate of Participation in this FDP will be
valid for

Career Advancement Scheme (CAS)
as per UGC Regulations-2018/18.0.ix

&
UGC-HRDC Guidelines:
2019 / 7.1.1.x

Last Date: 16/08/2021
Registration Fees: Rs. 500/-

Register Now

<https://forms.gle/nsTuMuVaP3cwYW4L7>



Contact: +91 7219187777, +91 9414838424, +91 9265032070

Email: soefdptel@gmail.com

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya Wardha is a Central University of International status accredited by NAAC with 'A' grade. This university was established by an act of Parliament in 1997 with the mandate of explicitly enriching, promoting and disseminating Hindi by teaching and research and presenting it onto the international stage as a major instrument of accessing the South Asian Culture by intellectual initiatives including and going beyond the class-room. The University, since its inception, has expanded its wings to take up teaching and research in various other disciplines such as humanities and social sciences, Women Studies, Gandhi and Peace Studies, Management, Law and more significantly Teacher Education.

School of Education

The school of Education of MGAHV is a thriving community of academicians, teacher educators, researchers, research scholars and students, which aims at and makes genuine efforts to promote excellence in the discipline of education as a whole that would lead to raise the standards of higher education eying its vitality in making India a knowledge superpower and 'Vishwa-guru'. It provides academic and professional development opportunities to teacher educators and teachers and strives to develop competent, dedicated and committed teachers who offer opportunities of knowledge creation to the students. It is also engaged in developing innovative curricula, pedagogies and instructional material for teachers, teacher educators, educational administrators, educational practitioners and researchers in the areas of teacher education as well as various areas pertaining to education. It is making genuine efforts to provide a sound base of new age knowledge, skills, competencies and attitude necessary to prospective teachers and teacher educators to be successful in 21st century with its state of the art academic facilities and excellent infrastructure. Various courses from the faculty of education are run at present which include B.Ed., M.Ed., M.A. (Education) and Ph.D. (Education). The school aspires to introduce innovation and experimentation in teacher education through some innovative courses in the time to come. The School of Education, MGAHV, is one of the most prominent centres under PMMMNMTT, Ministry of Education; Govt. of India, and it is meaningfully engaged in making significant contribution towards dissemination of knowledge and capacity building for students, research scholars, teachers, teacher educators, educational administrators and other stake holders of education across India.



Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT)



The PMMMNMTT is a central scheme launched by the MHRD, Govt. of India with all-India coverage. One of the important goals of the mission is to empower teachers and faculty members of higher education institutions through training, re-training, induction, orientation and refresher programmes in generic skills, pedagogic skills, and discipline specific content upgradation, ICT and technology-enabled training and other appropriate interventions.

About Faculty Development Programme

The One Week Online Faculty Development Programme (FDP) is being organized by School of Education, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha under Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT). This FDP aims at empowering the participants towards creating technology-enabled learning environments and opportunities for the learners. This FDP will offer valuable learning experience as well as insights under the guidance from experts through their respective sessions and discussions. This FDP will be instrumental in gaining proficiency in design, creation and delivery aspects of technology-enabled learning environments. It will offer rigorous hands-on experience for developing advanced techno-pedagogic skills and competencies. It will also provide updated knowledge about the emerging issues and trends in technology-enabled learning. This learning experience will motivate and facilitate the participants to perform more vigorously and skilfully towards creating and sustaining learner-centred online as well as blended learning environments in higher education. Certification of this FDP will be useful in Career Advancement Scheme (CAS) for the faculty members in higher education as per **UGC Regulations-2018/18.0.ix** and **UGC-HRDC Guidelines - 2019/7.1.1.x**.

Objectives of Programme

To enable the participants to:

1. Realize the fundamentals of technology-enabled learning.
2. Bring digital pedagogy in practice.
3. Make use of digital taxonomy of educational objectives for technology-enabled learning.
4. Create, curate and deliver content for technology-enabled learning.
5. Promote learner-centricity in online classes.
6. Develop lesson plans for blended learning.
7. Design, develop and deliver content for a blended online course.
8. Realize MOOC design framework and its essentials.
9. Design and develop learner-centric MOOCs.
10. Imply ways of gamification for technology-enabled learning.
11. Value peeragogy as a new paradigm to promote technology-enabled learning.
12. Create and use Open Educational Resources.
13. Apply cyber security measures in technology-enabled learning environment.



Major Takeaways from Programme

By the end of this faculty development programme, participants will be able to:

1. Derive digital learning objectives for their technology-enabled learning lesson plans.
2. Create, curate and deliver quality content for technology-enabled learning.
3. Organize online class through learner-centric approach.
4. Design a blended online course.
5. Plan for a learner-centric MOOC.
6. Organize technology-enabled learning through enhanced peer collaboration.
7. Develop lesson plans for blended learning.
8. Organize gamification in teaching-learning process.
9. Create and use Open Educational Resources.
10. Execute cyber security measures for technology-enabled learning.

Salient Features of Programme

1. Complete hands-on learning experience
2. Blend of synchronous and asynchronous learning opportunities
3. Emphasis on designing, developing and delivering facilitative learning environments
4. Provision of additional learning resources
5. Certificate of Participation beneficial for Career Advancement Scheme (CAS)
6. Publication of research articles from participants on FDP theme in the form of an ISBN e-book

Eligibility and Registration for Participation

- Any teacher from any faculty/ any discipline working at university/college/higher education institution can participate in this faculty development programme.
- Research scholars / Post-doctoral fellows of any subject can also participate in this faculty development programme.

Registration Details:

Registration fees For Teachers/Research Scholars: Rs. 500/-

Account Details:

Registration fees should be paid in favour of

'Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha'

Account Number: 972110210000005

Bank Name: Bank of India

Branch : Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

IFSC : BKID0009721

Payment can be made through any online mode.

Organising Committee

Chief Patron

Prof. Rajaneesh Kumar Shukla

Hon'ble Vice Chancellor, MGAHV, Wardha

Patrons

Prof. Hanuman Prasad Shukla

Pro-Vice Chancellor, MGAHV, Wardha

Dr. Chandrakant Ragit

Pro-Vice Chancellor, MGAHV, Wardha

Co-Patron

Prof. Manoj Kumar

Dean, School of Education, MGAHV, Wardha

Programme Director

Prof. Gopal Krishna Thakur

Head, Department of Education MGAHV, Wardha

Programme Convenor

Dr. Sandeep Patil

Assistant Professor
Department of Education, MGAHV



ज्ञान शांति मैत्री

Programme Coordinator

Dr. Pramod Joshi

Assistant Professor
Department of Education, MGAHV

Co-coordinator

Dr. Narendra Kumar Pal

Assistant Professor
Department of Education, MGAHV

Technical Coordinator

Dr. Girish Pandey

In-charge, LILA
MGAHV, Wardha

Programme Steering Committee

Faculty Members

Department of Education, School of Education
MGAHV, Wardha

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
Wardha, Maharashtra

Contact

Dr. Sandeep Patil

+91 7219187777

Dr. Pramod Joshi

+91 9414838424

Dr. Narendra Kumar Pal

+91 9265032070

Email: soefdptel@gmail.com